

गुफ़ा में है दरबार ओ शेरों वाली माँ का

गुफ़ा में है दरबार ओ शेरों वाली माँ का

अब ना, छुपाऊँगी, सबको, बताऊँगी ।
तुझको, कसम से मईया, अपना, बनाऊँगी ॥
गुफ़ा में है, दरबार, ओ शेरों, वाली माँ का ॥

पायल, मैं लाऊँगी, बिछुरे भी लाऊँगी ।
तुमको, पहनाने मईया, मंदिर में आऊँगी ॥
करूँगी, सोल्हा श्रृंगार, ओ शेरों, वाली माँ का ।
गुफ़ा में है, दरबार, ओ शेरों, वाली माँ का ।
अब ना, छुपाऊँगी, सबको, बताऊँगी...

लँहगा, मैं लाऊँगी, चुनरी भी लाऊँगी ।
तुमको, पहनाने मईया, मंदिर में आऊँगी ॥
करूँगी, सोल्हा श्रृंगार, ओ शेरों, वाली माँ का ।
गुफ़ा में है, दरबार, ओ शेरों, वाली माँ का ।
अब ना, छुपाऊँगी, सबको, बताऊँगी...

कंगण, मैं लाऊँगी, चूड़ियाँ भी लाऊँगी ।
तुमको, पहनाने मईया, मंदिर में आऊँगी ॥
करूँगी, सोल्हा श्रृंगार, ओ शेरों, वाली माँ का ।
गुफ़ा में है, दरबार, ओ शेरों, वाली माँ का ।
अब ना, छुपाऊँगी, सबको, बताऊँगी...

टीका, मैं लाऊँगी, बिंदियाँ भी लाऊँगी ।
शीश पे, सजाने मईया, मंदिर में आऊँगी ॥
करूँगी, तुमको नमस्कार, ओ शेरों, वाली माँ का ।
गुफ़ा में है, दरबार, ओ शेरों, वाली माँ का ।
अब ना, छुपाऊँगी, सबको, बताऊँगी...

हलवा, मैं लाऊँगी, पूरी भी लाऊँगी ।
भोग, लगाने मईया, मंदिर में आऊँगी ॥
करूँगी, तेरी जय जयकार, ओ शेरों, वाली माँ का ।
गुफ़ा में है, दरबार, ओ शेरों, वाली माँ का ।
अब ना, छुपाऊँगी, सबको, बताऊँगी...
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36799/title/gufa-mein-hai-darbar-o-sherawali-maa-ka>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |